



Rishabh Ashok Tyagi



Mansi tyagi

Model: Love-Horoscope

Order No: 121056701

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
24/11/1996 :	जन्म तिथि	: 30/07/1999
रविवार :	दिन	: शुक्रवार
घंटे 17:35:00 :	जन्म समय	: 23:27:00 घंटे
घटी 26:50:06 :	जन्म समय(घटी)	: 44:33:29 घटी
India :	देश	: India
Muzaffarnagar :	स्थान	: Saharanpur
29:28:00 उत्तर :	अक्षांश	: 29:58:00 उत्तर
77:42:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:33:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:19:12 :	स्थानिक संस्कार	: -00:19:48 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:50:57 :	सूर्योदय	: 05:37:16
17:20:55 :	सूर्यास्त	: 19:14:43
23:48:50 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:50:53
वृष :	लग्न	: मेष
शुक्र :	लग्न लग्नाधिपति	: मंगल
वृष :	राशि	: कुम्भ
शुक्र :	राशि-स्वामी	: शनि
कृतिका :	नक्षत्र	: शतभिषा
सूर्य :	नक्षत्र स्वामी	: राहु
2 :	चरण	: 2
परिघ :	योग	: शोभन
विष्टि :	करण	: वणिज
इ-ईश्वर :	जन्म नामाक्षर	: सा-सपना
धनु :	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	: सिंह
वैश्य :	वर्ण	: शूद्र
चतुष्पाद :	वश्य	: मानव
मेष :	योनि	: अश्व
राक्षस :	गण	: राक्षस
अन्त्य :	नाड़ी	: आद्य
गरुड़ :	वर्ग	: मेष

ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

विंशोत्तरी
सूर्य 4वर्ष 2मा 24दि
राहु

18/02/2018

19/02/2036

राहु	01/11/2020
गुरु	27/03/2023
शनि	31/01/2026
बुध	19/08/2028
केतु	07/09/2029
शुक्र	07/09/2032
सूर्य	01/08/2033
चन्द्र	31/01/2035
मंगल	19/02/2036

अंश

13:33:06
08:40:53
00:35:20
19:29:14
21:13:55
23:12:30
07:57:38
06:52:05
12:49:27
12:49:27
07:41:18
01:48:46
09:09:41

राशि

वृष
वृश्चि
वृष
सिंह
वृश्चि
धनु
तुला
मीन व
कन्या व
मीन व
मक
मक
वृश्चि

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध व
गुरु
शुक्र व
शनि
राहु
केतु
हर्ष व
नेप व
प्लूटो व

राशि

मेष
कर्क
कुंभ
तुला
कर्क
मेष
सिंह
मेष
कर्क
मक
मक
मक
वृश्चि

अंश

10:51:15
13:17:03
10:13:21
16:53:13
06:42:00
10:05:58
11:16:23
22:32:04
19:05:01
19:05:01
21:17:14
09:00:36
13:59:25

विंशोत्तरी

राहु 13वर्ष 2मा 11दि
गुरु

11/10/2012

11/10/2028

गुरु	29/11/2014
शनि	11/06/2017
बुध	17/09/2019
केतु	23/08/2020
शुक्र	24/04/2023
सूर्य	10/02/2024
चन्द्र	11/06/2025
मंगल	18/05/2026
राहु	11/10/2028

व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

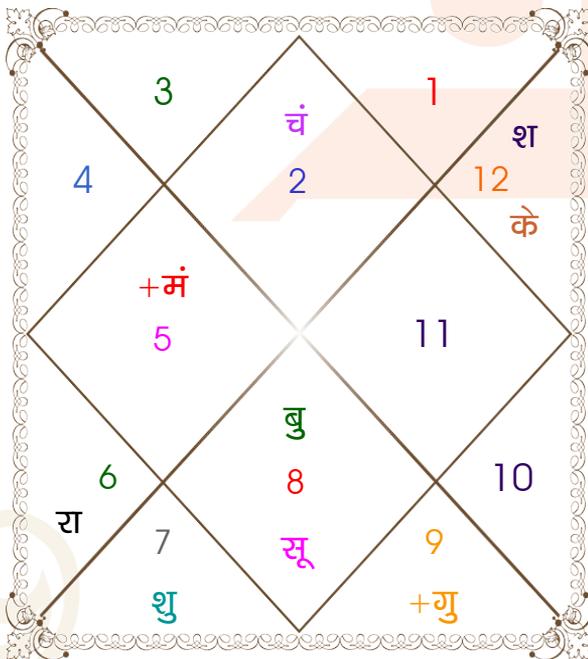
राहु : स्पष्ट

23:48:50

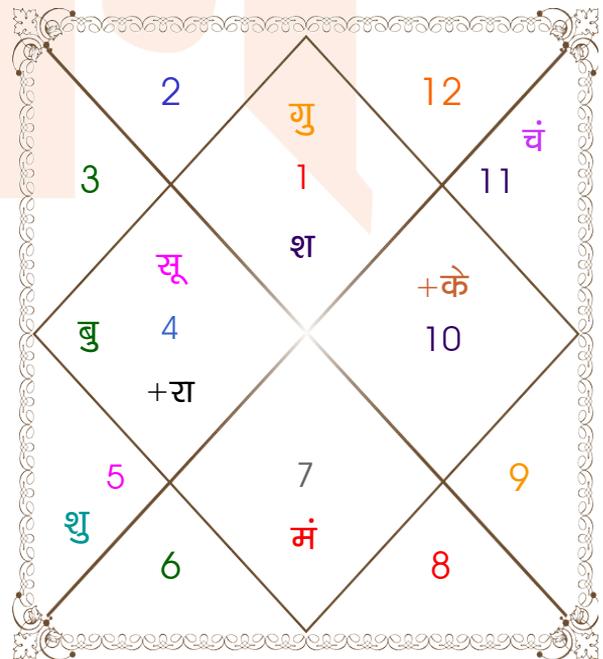
चित्रपक्षीय अयनांश

23:50:53

लग्न-चलित



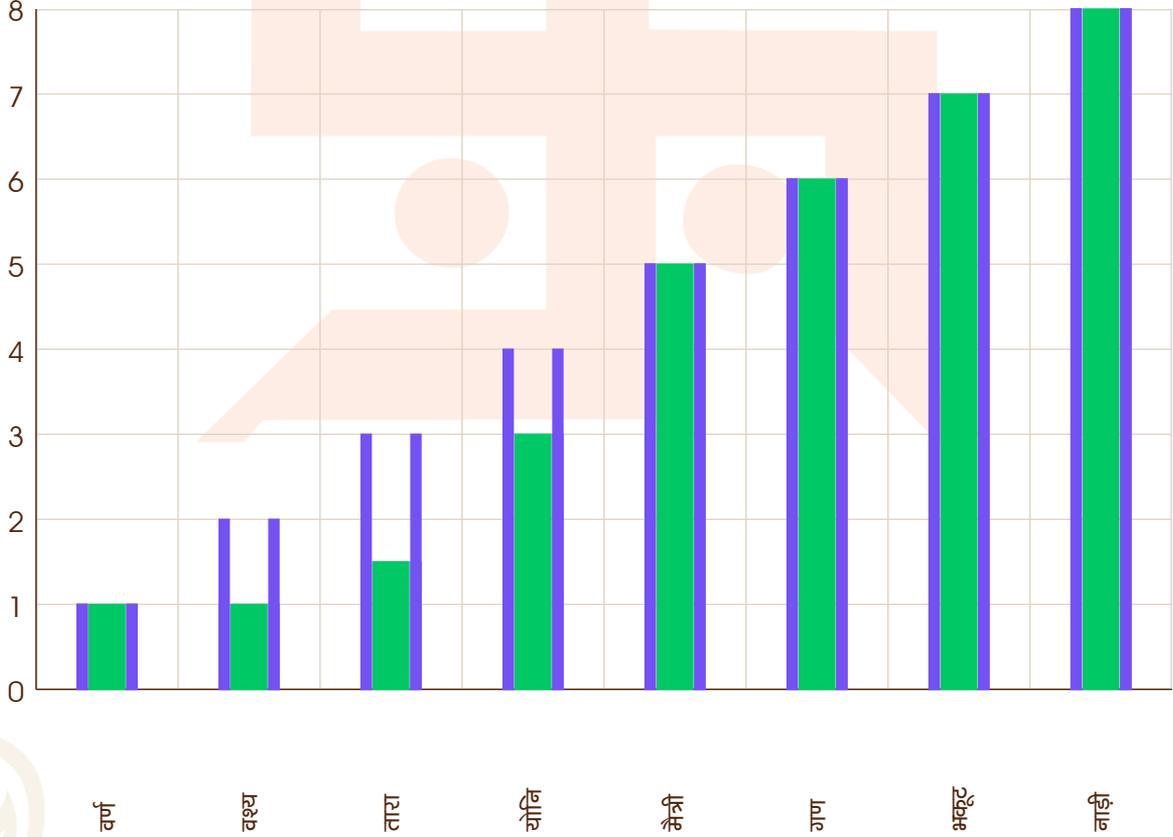
लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	अश्व	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	32.50		

कुल : 32.5 / 36



अष्टकूट मिलान

Rishabh Ashok Tyagi का वर्ग गरुड़ है तथा Mansi tyagi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Rishabh Ashok Tyagi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Mansi tyagi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

**सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता ।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत् ।।**

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि Mansi tyagi कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते ।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**शनिभौमोऽथवा कश्चित् पापो वा तादृशो भवेत् ।
तेष्वेव भवनेष्वेव भौमदोषविनाशकृत् ।।**

यदि एक की कुण्डली में जहां मंगल हो उन्हीं स्थानों पर दूसरे की कुण्डली में प्रबल पाप ग्रह (राहु या शनि) हों तो मंगलीक दोष कट जाता है।

क्योंकि राहु Mansi tyagi कि कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

**त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।**

वर या कन्या की कुण्डली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुण्डली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Rishabh Ashok Tyagi कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः

मंगलीक दोष कट जाता है।

Rishabh Ashok Tyagi तथा Mansi tyagi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।



अष्टकूट फलादेश

वर्ण

Rishabh Ashok Tyagi का वर्ण वैश्य है तथा Mansi tyagi का वर्ण शूद्र है। इसमें Mansi tyagi का वर्ण Rishabh Ashok Tyagi के वर्ण से नीचा है अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके फलस्वरूप Mansi tyagi अति आज्ञाकारी, सहायता करने वाली तथा बिना किसी शिकायत के पूरे परिवार की सेवा-सुश्रुषा एवं देखभाल करने वाली होगी। साथ ही हर किसी की सेवा के लिए Mansi tyagi हमेशा तत्पर रहेगी। बिना उचित कारण के वह किसी के साथ तर्क-वितर्क अथवा झगड़ा नहीं करेगी।

वश्य

Rishabh Ashok Tyagi का वश्य चतुष्पद अर्थात् पशु है एवं Mansi tyagi का वश्य द्विपद अर्थात् मनुष्य है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। यद्यपि कि पशु एवं मनुष्य के स्वभाव एक-दूसरे से सर्वथा भिन्न होते हैं अतः दोनों के स्वभाव, गुण, पसंद/नापसंद बिल्कुल अलग हो सकते हैं किंतु फिर भी दोनों एक-दूसरे के सान्निध्य में रहेंगे। फिर भी कभी-कभी मनुष्य निर्दयी एवं आक्रामक हो जाता है। इसी प्रकार Rishabh Ashok Tyagi एवं Mansi tyagi एक-दूसरे के साथ रहकर अपने जीवन का आनंद लेते रहेंगे किंतु कभी-कभी Mansi tyagi क्रूर एवं अमर्यादित व्यवहार का प्रदर्शन करती रहेगी।

तारा

Rishabh Ashok Tyagi की तारा वध तथा Mansi tyagi की तारा क्षेम है। Rishabh Ashok Tyagi की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। Rishabh Ashok Tyagi बुरी आदतों, अधोपतन, चरित्रहीनता एवं भोग-विलास की आदतों का शिकार हो सकता है। Rishabh Ashok Tyagi को शराब एवं ड्रग की लत लग सकती है किंतु Mansi tyagi लगातार उसकी भलाई के उद्देश्य से उसे सुधारने का प्रयास करती रहेगी। इस प्रकार उसके अच्छे प्रयासों का परिणाम सार्थक हो सकता है।

योनि

Rishabh Ashok Tyagi की योनि मेष है तथा Mansi tyagi की योनि अश्व है। अर्थात् दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्दपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूँजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का

वातावरण बना रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में Rishabh Ashok Tyagi एवं Mansi tyagi दोनों के राशि स्वामी परस्पर मित्र हैं। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से अति उत्तम मिलान है। ज्यातिष की दृष्टि से यदि Rishabh Ashok Tyagi एवं Mansi tyagi के राशिस्वामी परस्पर मित्र होने के कारण इसे अति उत्तम मिलान माना जाता है। जिसके कारण Rishabh Ashok Tyagi एवं Mansi tyagi जीवन की हर खुशी एवं सुख प्राप्त करने में सफल होंगे तथा इनमें परस्पर विश्वास, प्रेम, समझ एवं सहयोग की भावना बनी रहेगी। साथ ही हर प्रकार की सुख-सुविधाओं एवं वैभव से परिपूर्ण होंगे।

गण

Rishabh Ashok Tyagi का गण राक्षस है तथा Mansi tyagi का गण भी राक्षस है। अर्थात् Mansi tyagi का गण Rishabh Ashok Tyagi के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण Rishabh Ashok Tyagi एवं Mansi tyagi दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

भकूट

Rishabh Ashok Tyagi से Mansi tyagi की राशि दशम भाव में स्थित है तथा Mansi tyagi से Rishabh Ashok Tyagi की राशि चतुर्थ भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण Rishabh Ashok Tyagi एक पारिवारिक व्यक्ति होंगे तथा अपनी पत्नी एवं बच्चों समेत परिवार के हर सदस्य की देखभाल करेंगे। उन्हें अपने संबंधियों से ही खुशी प्राप्त होगी तथा उनकी पत्नी सदैव कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी मदद करती रहेंगी। Mansi tyagi को घर, वाहन, मां का प्यार समेत जीवन में हर सुख एवं खुशी प्राप्त होगी। Mansi tyagi हमेशा अपने पति की परछाई बनकर सदैव उनकी सहायता करती रहेंगी।

नाड़ी

Rishabh Ashok Tyagi की नाड़ी अन्त्य है तथा Mansi tyagi की नाड़ी आद्य है। अर्थात् दोनों की नाड़ी समान नहीं है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोष मुक्त है। अर्थात् यह मिलान अति उत्तम मिलान है। यह समन्वय शरीर के दो महत्वपूर्ण अवयवों वात एवं कफ को संतुलित करता है। Rishabh Ashok Tyagi की अन्त्य नाड़ी तथा Mansi tyagi की आद्य नाड़ी होने के कारण उत्तम स्वास्थ्य, सम्पत्ति, सत्ता, शक्ति एवं दम्पत्ति के पारस्परिक प्रेम एवं सहयोग समय-समय पर मिलता रहेगा। आपकी संतान अति भाग्यशाली, आज्ञाकारी एवं शक्ति संपन्न

होंगी ।



Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre

Brahmavidyapeeth Shukatirtha

9897180017

ashok.shukla.mzn@gmail.com

मेलापक फलित

स्वभाव

Rishabh Ashok Tyagi की राशि भूमितत्व युक्त वृष तथा Mansi tyagi की राशि वायुतत्व युक्त है। भूमितत्व एवं वायुतत्व में यद्यपि असमानताएं अधिक होती है तथापि अपनी बुद्धिमता एवं सामंजस्यशील प्रवृत्ति के कारण ये न्यूनाधिक मात्रा में सुख एवं प्रसन्नता अर्जित करने में समर्थ रहते है।

Rishabh Ashok Tyagi का राशि स्वामी शुक तथा Mansi tyagi का राशि स्वामी शनि परस्पर मित्रता का भाव रखते है। अतः इसके प्रभाव से इनके मध्य परस्पर समानता एवं मित्रता का भाव होगा। जिससे दाम्पत्य जीवन में प्रसन्नता तथा शांति बनी रहेगी एवं एक दूसरे के सुख सहयोग का पूर्ण ध्यान रखेंगे तथा परस्पर भावनाओं का आदर करके उन्हें पूर्ण करने में तत्पर रहेंगे।

Rishabh Ashok Tyagi तथा Mansi tyagi की राशि परस्पर चतुर्थदशम में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इनके दाम्पत्य जीवन में सुख संसाधनों एवं मधुर संबंधों में वृद्धि होगी। Rishabh Ashok Tyagi के भावनात्मक संकेत से ही अंतर्मन में Mansi tyagi को उनके प्रति आकर्षण के लिए प्रवृत्त करेगी। साथ ही दोनों एक दूसरे के गुणों से प्रभावित होंगे तथा सम्मान भी करेंगे। इस प्रकार Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi का जीवन सुख एवं समृद्धि से युक्त व्यतीत होगा।

Rishabh Ashok Tyagi का वश्य चतुष्पद तथा Mansi tyagi का वश्य मानव है। चतुष्पद तथा मानव की परस्पर असमानता एवं नैसर्गिक शत्रुता होती है। अतः Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi की अभिरूचियों में अन्तर रहेगा। शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर भी विभिन्नता रहेगी फलतः तथा इनमे एक दूसरे को प्रसन्न तथा सनतुषट रखने मे असमर्थ होंगे जिससे संबंधों की मधुरता मे न्यूनता आएगी।

Rishabh Ashok Tyagi का वर्ण वैश्य तथा Mansi tyagi का वर्ण शूद्र है। Rishabh Ashok Tyagi की प्रवृत्ति धनार्जन के प्रति अधिक रहेगी तथा वाणिज्य बुद्धि से कार्यो में प्रवृत्त रहेगे लेकिन Mansi tyagi की प्रवृत्ति किसी भी कार्य को ईमानदारी से सम्पन्न करने में रहेगी। अतः Rishabh Ashok Tyagi की बुद्धि एवं Mansi tyagi के परिश्रम से कार्य क्षेत्र मे उन्नति के कारण आर्थिक रूप से ये सुदृढ़ रहेंगे।

धन

Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi दोनों की तारा परस्पर सम है। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य गति से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों तत्पर रहेंगे। भकूट भी सम ही रहेगा जिससे उनके लाभमार्ग स्वबुद्धिमता एवं परिश्रम से प्रशस्त रहेंगे। मंगल का भी उनकी आर्थिक स्थिति पर कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा। इस प्रकार उनके आर्थिक स्तर पर कोई विशेष नाटकीय परिवर्तन की संभावना नहीं होगी परन्तु सामान्य

जीवन धनऐश्वर्य से युक्त होकर व्यतीत होगा।

इसके साथ ही कोई विशेष या अचानक लाभ के योगों में भी न्यूनता होगी तथा आर्थिक स्तर अपने ही अनुकूल रहेगा जिससे वे आर्थिक रूप से सन्तुष्टि की अनुभूति करेंगे।

स्वास्थ्य

Rishabh Ashok Tyagi अन्वय तथा Mansi tyagi आद्य नाड़ी में उत्पन्न हुए हैं। अतः विभिन्न नाड़ियों में उत्पन्न होने के कारण नाड़ी दोष से ये मुक्त रहेंगे जिससे गंभीर शारीरिक समस्या उत्पन्न नहीं होगी परन्तु मंगल का Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi दोनों के स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव रहेगा। इसके प्रभाव से Mansi tyagi गुप्त या धातु संबंधी रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही Rishabh Ashok Tyagi को हृदय रोग संबंधी परेशानियां होगी एवं संभोग शक्ति में शिथिलता की अनुभूति करेंगे जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता की अनुभूति होगी। अतः इन दुष्प्रभावों में कमी करने के लिए Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi दोनों को नियमित रूप से हनुमानजी की उपासना तथा मंगलवार के उपवास करने चाहिए।

संतान

संतति की दृष्टि से Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi को उचित समय पर संतति प्राप्ति होगी तथा इसमें किसी भी प्रकार से विलम्ब या व्यवधान नहीं होगा। साथ ही बच्चों के मध्य अंतर भी अनुकूल रहेगा जिससे उचित मात्रा में उनका पालन पोषण करने का अवसर प्राप्त होगा। इसके अतिरिक्त Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi के पुत्र एवं कन्याओं की संख्या बराबर रहेगी।

Mansi tyagi का प्रसव सामान्य रूप से होगा तथा इसमें उन्हें किसी भी प्रकार से परेशानी या कष्ट का सामना नहीं करना पड़ेगा। साथ ही किसी प्रसूति संबंधी चिकित्सा की भी आवश्यकता नहीं रहेगी। अतः Mansi tyagi के मन में इसके प्रति जो अनावश्यक भय या चिन्ताएं रहती हैं उसको दूर कर देना चाहिए तथा नियमित रूप से गर्भावस्था में डाक्टरी परीक्षण करवाने चाहिए। इस प्रकार Mansi tyagi सुंदर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी तथा स्वयं भी शांति तथा स्वस्थता की अनुभूति करेंगी।

बच्चों के द्वारा Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi को पूर्ण सन्तुष्टि मिलेगी तथा अपनी योग्यता बुद्धिमता एवं व्यवहार कुशलता से वे अपने क्षेत्र में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे यद्यपि माता पिता के वे आज्ञाकारी रहेंगे तथा उनकी इच्छा के विरुद्ध कोई भी कार्य नहीं करेंगे तथापि माता के प्रति उनके मन में विशेष लगाव तथा सम्मान का भाव रहेगा तथा उनकी आज्ञा पालन करने में सर्वदा तत्पर रहेंगे। इस प्रकार Rishabh Ashok Tyagi और Mansi tyagi का पारिवारिक जीवन सुख तथा शांति से पूर्ण रहेगा तथा प्रसन्नता पूर्वक वे अपना समय व्यतीत करेंगे।

ससुराल-सुश्री

Mansi tyagi के अपने ससुराल पक्ष के लोगों से अच्छे संबंध रहेंगे साथ ही अन्य जनों की अपेक्षा सास से संबंधों में अधिक मधुरता रहेगी। विवाह के बाद Mansi tyagi अत्यंत ही

धैर्य एवं परस्पर सामंजस्यता के भाव का पालन करेंगी। उनका यह धैर्य एवं सामंजस्यता का भाव भविष्य में उनके लिए अनुकूल सिद्ध होगा।

साथ ही ससुर के साथ भी सामंजस्य स्थापित करने में उन्हें कोई परेशानी नहीं होगी। अपनी मधुर वाणी एवं विनम्र व्यवहार से उनके हृदय को जीतने में समर्थ रहेंगी। इसी प्रकार अपनी मुक्त मित्रता की प्रवृत्ति के कारण देवर एवं ननदों से भी संबंध अनुकूल रहेंगे तथा उनकी ओर से Mansi tyagi पूर्ण सहयोग अर्जित करने में समर्थ रहेंगी।

यद्यपि Mansi tyagi अपनी ओर से समस्त ससुराल पक्ष के लोगों को सन्तुष्ट एवं प्रसन्न करने के लिए सर्वदा तत्पर रहेंगी परन्तु इन लोगों से इन्हें कोई विशिष्ट सहयोग नहीं मिलेगा तथा संबंधों में औपचारिकता अधिक रहेगी।

ससुराल-श्री

Rishabh Ashok Tyagi के अपनी सास से सामान्य संबंध रहेंगे। वह अपनी ओर से उन्हें पूर्ण आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे तथा उनकी सेवा तथा सुख सुविधा के प्रति भी तत्पर रहेंगे। इनके मध्य कोई विशेष मतभेद नहीं रहेंगे तथा Rishabh Ashok Tyagi अवसरानुकूल सपत्नीक से मिलने जाया करेंगे जिससे संबंधों में मधुरता के भाव की वृद्धि होगी।

ससुर के प्रति भी Rishabh Ashok Tyagi का आदर तथा सेवा का भाव रहेगा तथा वे भी इनको पूर्ण स्नेह तथा सहानुभूति प्रदान करेंगे साथ ही ससुर भी समय समय पर महत्वपूर्ण मामलों में Rishabh Ashok Tyagi का दिग्दर्शन करेंगे। लेकिन साले एवं सालियों के साथ संबंध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर मतभेद एवं तनाव की बहुलता रहेगी। साथ ही एक दूसरे के प्रति प्रतिद्वन्द्विता तथा ईर्ष्या का भी भाव रहेगा। लेकिन यदि Rishabh Ashok Tyagi तथा वे आपस में सामंजस्य रखें तो संबंधों में अनुकूलता आ सकती है। इस प्रकार ससुराल में Rishabh Ashok Tyagi के संबंध सामान्यतया अच्छे ही रहेंगे।

लग्न फल

Rishabh Ashok Tyagi

आपके जन्म आकृति के अनुसार यह स्पष्ट होता है कि आपका जन्म रोहिणी नक्षत्र के द्वितीय चरण में जिस समय हुआ जब मेदिनीय क्षितिज पर वृषभ लग्न, बृषभ नवमांश एवं कन्या द्रेष्काण उदित था। इस दृश्य से यह सूचित हो रहा है कि आपका जन्म लग्न वर्गात्तम होकर आपके जीवन के लिए अति सुखद वातावरण में शांतिपूर्ण, जीवन शैली, संपन्नता से युक्त होकर जीवन के कार्यों को संपादन करने का सौभाग्य प्रदान किया है। यथेष्ट धन्यादि प्राप्ति हेतु आपको कठिन श्रम, एवं पूर्ण साहस से कार्य संपादन करना होगा। यदि आप अपने कार्य या उद्देश्य के प्रति बहक जाएंगे या जी चुराएंगे तो प्रचूर मात्रा में यथेष्ट धन प्राप्ति में कोई प्रश्न चिन्ह लग जाएगा।

आपको व्यक्तिगत रूप से सावधानी पूर्वक अपनी योजना का कार्यान्वयन निश्चित समय पर करना चाहिए। क्योंकि आप अपनी योजना की निश्चित सफलता प्राप्ति हेतु किसी भी दशा में किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या गलत संपादन नहीं करना चाहते हैं। आप किसी भी दशा में शीघ्रता पूर्वक कोई निर्णय नहीं लेते हैं। यद्यपि आप किसी भी विधेयक (प्रस्ताव) को सुंतुलित करके सावधानी पूर्वक धीरे-धीरे प्रारंभ करते हैं। परंतु आप एक बार पूर्ण रीति से जो तय कर लेते उसके अनुसार अपने लक्ष्य तक पहुंचने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास जारी रखते हैं।

पुनः आप सुंदर एवं समुचित लाभांश प्राप्त करने के लिए उचित मात्रा में अपनी संपत्ति लगाते हैं, तथा जनसामान्य की दृष्टि से अपनी प्रतिष्ठा बचाकर निश्चित समय पर उद्देश्यित लाभ प्राप्त लेते हैं।

क्योंकि आप यह जानते हैं कि धन प्राप्त करने के लिए कठिन काम करना पड़ता है तथा अत्यधिक सावधानी पूर्वक संबंधित कार्य में धन लगाते हैं। आप मात्र अनुदार (कंजूसी) भावना के व्यक्ति नहीं हैं। बल्कि आप हर क्षण सच्चाई के रास्ते से धन प्राप्ति की बिंदु पर सचेष्ट रहते हैं।

स्वभाविक रूप से आप शांति पूर्वक प्रेम करने वाले प्राणी हैं। आप चंदन की तरह रहने वाले तथा पीछे मुड़कर नहीं देखते हैं। परंतु यदि पीछे से कोई आपको उत्तेजित कर दें तो पुनः पलटकर उसके पीछे अपनी संपूर्ण शक्ति लगा देते हैं। आप अलग से किसी के साथ शत्रुता नहीं चाहते यदि कोई आपके साथ क्षणिक शत्रुता करता है तो आप शीघ्र ही उसे भुला देते हैं। यदा-कदा जब आपकी हिंसात्मक प्रवृत्ति हो जाती है, उस क्षण आप अपनी अभिरुचि के अनुसार परिस्थिति को किसी मोड़पर लाकर छोड़ देना उत्तम समझते हैं।

आप में प्रसन्नतम व्यक्तित्व विद्यमान है। आप शारीरिक रूप से स्थूल काय के प्राणी हैं तथा आपकी परिस्थिति वर्तमान काल में कोई सामंजस्य के योग्य नहीं लगती है। आप स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से सदैव ही आपका स्वास्थ्य अनुकूल एवं बहुत अच्छा रहेगा। आप बहुत दिनों तक अपने आनंददायक जीवन की प्रसन्नता से युक्त, रोगरहित, शक्ति संपन्न एवं दीन

दुखियों के सहायक होंगे।

आप, सर्दी, कफ, गले के संक्रमण रोग, एवं जोड़ों के दर्द से पीड़ित रह सकते हैं। आपके लिए संबंधित रोगादि में सतर्क रह कर समय-समय पर चिकित्सक से विचार-विमर्श करना उत्तम होगा।

आप जिस कार्य या व्यवसाय को प्रारंभ कर देंगे। उस कार्य में निश्चित रूप से सफलता प्राप्त करेंगे। परंतु आप धीरे-धीरे उन्नति प्रदायक कार्य व्यवसाय का चुनाव करना चाहते हैं, तो होटल का कार्य, कृषि कार्य, बस, टैक्सी, ट्रांसपोर्ट, प्रोपर्टी डिलरशिप मोती, रत्नादि के कार्य और आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय करना आपके लिए अनुकूल होगा। आप हर दृष्टि कोण से एक भाग्यशाली प्राणी हैं। आपको अपने भाग्योन्नति हेतु अपनी योजना एवं कार्य कलाप का विचार पूर्वक प्रस्तुत एवं कार्यान्वित करने के लिए निम्नांकित बातों पर ध्यान देना चाहिए।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरुवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है। आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक हर दृष्टि कोण से प्रदोल्लित करने वाला एवं अनुकूल हैं। अंक 5 आपके लिए सर्वथा त्यागनीय है आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। लाल रंग आपके लिए प्रतिकूल है।

Mansi tyagi

आपका जन्म अश्विनी नक्षत्र के चतुर्थ चरण में सिंह राशि के द्रेष्काण, कर्क राशि के नवमांश एवं मेष लग्न में हुआ था। आपके जन्म लग्नादि के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आप अपने भविष्य में कोई भी कार्य निश्चित समय पर प्रारंभ करेंगी। आप व्यक्तिगत रूप से व्यवहार कुशल, किसी पर भी दिल से विश्वास करने वाली, तथा किसी भी कार्य को दृढ़तापूर्वक अपने भरोसे प्रारंभ करने वाली एक अच्छी भाग्यशाली महिला हैं।

जन्म प्रभाव से आप चंचल प्रकृति की स्त्री हैं। आप अकेली अपनी समझ से पूर्ण विश्वसनीयता एवं श्रद्धा पूर्वक अपने लक्ष्य की ओर किसी भी वस्तु को उपार्जित करती हैं तथा अपना लक्ष्य भेदन कर लेती हैं। आपका जन्म चर लग्न एवं चर नवमांश में हुआ है। फलस्वरूप आप किसी कार्य को करने के पहले हिचकती हैं। तथा उसे एक बार नकारात्मक समझ लेती हैं पुनः किसी भी क्षण उसे पसंद कर कार्य रूप देती हैं।

आप में निःसंदेह बहुत सारे कार्य संपादन के अधिकार अर्थात् गुण विद्यमान हैं। आप किसी के अधीन रह कर किसी भी कठिन कार्य को सुगमता पूर्वक एवं विस्तार पूर्वक अच्छी प्रकार निष्पादन कर लेती हैं। आप में आश्चर्यजनक शक्ति विद्यमान है, एवं आपका स्वाभिमान आप में द्रुत गति से कार्य संपादन करने की क्षमता प्रदान करता है।

आप बुद्धिमत्ता पूर्वक नवीन कल्पना से एक बार किसी भी कार्य का संचालन कर

लेती हैं। परंतु आपकी योजना को निष्पादन करने में कोई न कोई व्यवधान उपस्थित हो जाता है। क्योंकि संचालित कार्य को अधूरा छोड़ कर आपका झुकाव किसी नये उद्यम की ओर हो जाता है। जिसे आप स्वयं संपादन करना चाहती हैं। यदि आप इन आदतों को त्याग दें तो आप सफलता के उच्च शिखर पर पहुंच सकती हैं।

आप किसी भी विस्तृत योजना या खरीददारी पर शीघ्रता पूर्वक किसी धन का निवेश नहीं करें अन्यथा यह आवश्यक है कि जल्दबाजी के सौदे से कोई अन्य गंभीर समस्या उत्पन्न हो जाएगी।

आप प्रेम संबंध में अत्यंत स्पष्टवादी एवं उत्साही प्राणी हैं। आप विपरीत योनि के प्रेम प्रस्ताव को ठुकरा देंगी क्योंकि आप एक अच्छे स्वभाव की सौम्य महिला हैं। परंतु कोई आपको बहुत प्यार करता है तो आप उसके वशी भूत न होकर, धैर्य पूर्वक पवित्र आत्मा से स्वतंत्र रहना चाहती हैं।

यह स्पष्ट है कि आपका विस्तृत पारिवारिक जीवन छोटी-मोटी बाधाओं को छोड़ कर उत्तम और अनुकूल रहेगा। आपके जन्मप्रभाव से ऐसा निर्देश प्राप्त हो रहा है कि आप असामयिक माता-पिता बनने का आनंद प्राप्त नहीं करेंगी। आप पुत्र सुख प्राप्ति की प्रत्याशा छोड़ दे। आपको आपके पुत्र के साथ सदैव अस्वाभाविक संयोग एवं संबंध स्थापित होने की संभावना है अर्थात् उत्तम पुत्र सुख का अभाव रहेगा। अस्तु आपको अपने पुत्र के साथ धैर्य पूर्वक एवं समझदारी के साथ सामान्य व्यवहारिकता अपनानी चाहिए ताकि बच्चे के दिल पर कोई आघात न लगे। बल्कि पुत्र के साथ किसी भी रूप में कठोर व्यवहार नहीं करें।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु हृष्ट-पुष्ट एवं बल से युक्त रहेंगी। आप विशाल मस्तिष्क से युक्त परंतु आपके ओठों पर संकीर्णता विद्यमान रहेगी। यह संभव है कि आपकी युवावास्था में ही कोई घाव का चिह्न आपके मस्तक पर लग जाए अर्थात् माथे पर कोई घाव का चिह्न संभाव्य है। जीवन में कभी भी कोई सामान्य दुर्घटना से आप जख्मी हों सकती हैं। अतः आपको सावधान रहना होगा। परंतु आपको सदैव ही गंभीर दुर्घटना के प्रति सजग भी रहना होगा अन्यथा किसी बड़ी दुर्घटना से मस्तिष्क में चोट लग सकती हैं। आपको मानसिक वेदना या पश्चाताप न हो अतएव सदैव (लगातार) अपने सिर की सुरक्षा तथा पक्षाघात रोग के प्रति सतर्क रहना पड़ेगा। अतः आपको पर्याप्त मात्रा में निश्चिंतता पूर्वक आपत्ति रहित निद्रा तथा आराम प्राप्त करना चाहिए। आपको निश्चित रूप से मद्य एवं मांसाहार से बच कर रहना चाहिए तथा समय-समय पर स्वास्थ्य परीक्षण कराती रहें।

आपके व्यक्तिगत जीवन में अनुकूलता लाने एवं शुभ प्रभाव हेतु कुछ महत्वपूर्ण रंगादि का प्रयोग महत्वपूर्ण हैं। आपके लिए अनुकूल रंग लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला है जबकि हर दशा में काला रंग त्याज्यनीय है।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके जीवन में अंक 6 एवं 7 अंक अनुकूल नहीं है, परंतु अंक 9 एवं 1 अंक

आपके लिए प्रभावी सिद्ध होगा तथा अंक 4 एवं 8 अंक के प्रति आपका आकर्षण रहेगा।



Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre

Brahmavidyapeeth Shukatirtha

9897180017

ashok.shukla.mzn@gmail.com

अंक ज्योतिष फल

Rishabh Ashok Tyagi

आपका जन्म दिनांक 24 है। दो तथा चार के जोड़ से 6 आपका मूलांक होता है। मूलांक 6 का स्वामी शुक्र ग्रह है। अंक दो का चन्द्र तथा अंक चार का स्वामी भारतीय मत से राहु तथा पाश्चात्य मत से हर्षल ग्रह होता है। इन तीनों ही ग्रहों का संयुक्त प्रभाव आपके ऊपर आयेगा।

मूलांक 6 के प्रभाव से आप एक आकर्षण व्यक्तित्व के धनी होंगे। दूसरों को अपनी ओर आकृष्ट करने की विशेष शक्ति आपके अन्दर रहेगी। सौन्दर्य बोध आपमें काफी रहेगा एवं विपरीत योनि के प्रति आकर्षण सहज में रहेगा। आप सुन्दर स्त्री-पुरुषों के मध्य अधिक समय बिताना तथा स्थायी संबंध बनाना आपको रास आयेगा। ललित कलाओं में आपकी रुचि रहेगी एवं एकाधकला आपकी स्थायी हॉबी के रूप में आ जायेगी।

आपको सुन्दर सुसज्जित घर, चाहे छोटा ही हो पर करीने से सजावट के साथ हा, ऐसी आपकी पसन्द रहेगी। आप अतिथि सत्कार में कभी भी कोई कमी अपनी समझ में नहीं करेंगे। आपके स्वभाव में थोड़ी हठधर्मिता रहेगी। इस कारण आपको कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। अतः कोई भी निर्णय सोच-विचारकर सलाह, मशवरा के उपरांत प्रारम्भ करना आपके हित में रहेगा। प्रतिस्पर्धा से आप में ईर्ष्या जाग्रत होगी और आप अधिक उन्नति प्राप्त करने के लिए अधिक श्रम करेंगे, जिससे प्रतिस्पर्धा में विजय प्राप्त करेंगे।

प्रतिद्वन्द्विता सहन न कर सकने के कारण कभी-कभी हानि उठानी पड़ेगी। चन्द्र एवं हर्षल के प्रभाववश आपकी दिनचर्या में परिवर्तन होते रहेंगे। आपकी सामाजिक स्थिति भी घटती बढ़ती रहेगी। कभी आप बहुत सुखानुभूति करेंगे तो कई ऐसे अवसर भी आयेंगे जब मायूसी छा जायेगी। अधिक कल्पनाशीलता तथा विध्वंसक कार्यों से दूर रहना आपके लिए हितकर रहेगा।

Mansi tyagi

आपका जन्म दिनांक 30 है। तीन एवं शून्य का योग तीन आपका मूलांक होता है। मूलांक तीन का स्वामी बृहस्पति ग्रह को माना गया है। शून्य शिव है, अखण्ड ब्रह्माण्ड का द्योतक है।

मूलांक तीन के स्वामी बृहस्पति के प्रभाव वश आप एक अनुशासन प्रिय तथा कठोर महिला के रूप में चर्चित रहेंगी। आपकी स्वयं अनुशासन में रहने की इच्छा रहेगी और यही अपेक्षा दूसरों से करेंगी। मातहतों के साथ आपकी कार्यशैली कठोर रहेगी। इससे आपको अधीनस्थों के विरोध, आलोचनाओं का शिकार होना पड़ेगा। आपका रुझान ज्ञान की ओर होने से आप विद्याध्यन के क्षेत्र में सफल रहेंगी। बौद्धिक स्तर के कार्य आप भलीभाँति संपादित करेंगी। कार्यों में आपकी मौलिकता झलकेगी। आपकी मुखिया बनने की महत्वाकांक्षा कार्यक्षेत्र के अन्तर्गत रहेगी और दूसरों पर शासन करने में निपुण रहेंगी। धर्मक्षेत्र, कार्यक्षेत्र,

समाजसेवा इत्यादि के कार्यों में आपको ख्याति प्राप्त होगी।

तर्क, ज्ञान शक्ति आपमें होने से आप मानसिक रूप से संतुलित रहेंगी तथा इसकी छाया आपके कार्यों में दृष्टि गोचर होगी। आप सामाजिक भलाई के कार्यों में रुचि लेंगी एवं कभी-भी किसी का अहित नहीं करेंगी। शून्य प्रभाववश आप शान्त, कोमल हृदय की, वाणी से मधुर, सच्चाई के रास्ते पर चलने वाली, धर्म-कर्म के क्षेत्र में अग्रण्य महिला के रूप में प्रसिद्धि प्राप्त करेंगी।

Rishabh Ashok Tyagi

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओ के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

Mansi tyagi

भाग्यांक दो का स्वामी चन्द्र ग्रह को माना गया है। इसके प्रभाव से आपकी कल्पनाशक्ति उन्नत किशम की होगी। बौद्धिक स्तर आपका उच्च कोटि का रहेगा एवं बुद्धि जन्य कार्यों में आपकी विशेष अभिरुचि रहेगी। शारीरिक श्रम साध्य कार्यों में आपकी दिलचस्पी कम रहेगी। चन्द्रमा जिस तरह घटता-बढ़ता रहता है, उसी प्रकार आपके भाग्य का सितारा भी कभी तो एकदम ऊँचाईयों को प्राप्त करेगा और कभी आप एकदम घोर अंधकार में अपने आप को पायेंगी। ऐसे समय में धैर्य रखना आपके लिए अनिवार्य हो जाता है, क्योंकि आपके भाग्य का सितारा भी पुनः पूर्णिमा की तरह प्रकाशित होगा। धैर्य न रखना आपकी कमजोरियों में रहेगा।

भाग्य आपका बदलता रहेगा। एक स्थिर मुकाम पर कभी भी नहीं पहुँचेगा। आपको सम्पूर्ण जीवन में भाग्योदय की कुछ कमी खटकती रहेगी। आपको अधिकारियों से लाभ रहेगा तथा धन-धान्य से आप सुखी रहेंगी। आपको अपनी चलायमान प्रकृति पर नियंत्रण रखना होगा अन्यथा एक के बाद एक कार्यों को बीच में छोड़कर आगे बढ़ने की प्रवृत्तिवश आपके कार्य देर से सफल होंगे और कभी असफल भी होंगे।